श्रीकृष्ण की मृत्यु के उपरांत जब अर्जुन द्वारका की सभी स्त्रियों को लेकर लौटने लगे तब रास्ते मे जंगली लोगों ने अर्जुन को न केवल पीटा बल्कि कुछ स्त्रियां एवं धन, गहने लूट कर ले गए । अर्जुन के पास उस समय वह गांडीव धनुष भी था जिस से उसने महाभारत का युद्ध जीता था किन्तु वह किसी काम नहीं आया बल्कि उल्टे अर्जुन को पिटना पड़ा । तब अर्जुन ने कहा कि कृष्ण छलिया हैं जब संहार करवाना था तब शक्ति दे दी । जिस धनुष से लाखों का संहार किया उसी धनुष से आज कुछ न कर पाया । वास्तव में छलिया तो पुरुष हैं जिन्हों ने कृष्ण के धोखे में गीता का ज्ञान दिया और अर्जुन के हाथों नर संहार करवाकर उनके सिर पर पाप लादा ।